आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 99 | उज्जैन, शनिवार 01 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

भारत में वैज्ञानिक व्यवस्थाओं के विकास की प्राचीन परंपरा विद्यमान है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विद्यार्थियों और युवाओं को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विज्ञान के आधार पर व्यवस्थित कार्यप्रणाली, जिज्ञासु प्रवृत्ति को प्रोत्साहन और नवीनतम तकनीकों के उपयोग ने देश को विश्व के शीर्ष राष्ट्रों में गिने जाने का मार्ग प्रशस्त किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन से ही यह उपलब्धि संभव हो पाई है। राज्य सरकार शिक्षा सहित शासकीय कार्य प्रणाली और सामान्य व्यवस्थाओं के संचालन में विज्ञान का अधिक से अधिक उपयोग कर आम आदमी के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व में भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने÷ की थीम पर भोपाल में विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों और युवाओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पूर्व उन्होंने नोबल पुरूस्कार से सम्मानित महान वैज्ञानिक श्री सीवी रमन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन स्टेम एजुकेशन का विज्ञान भवन में शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेंटर में प्रस्तुत मॉडल तथा विद्यार्थियों को विज्ञान के विभिन्न सिद्धांत, सरलता से समझाने में सहायक उपकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मॉडल और नवाचारों के संबंध में उनसे चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत वृक्षारोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीकमगढ़ से आए प्रगतिशील कृषक श्री पूरनलाल कुशवाहा से भेंट कर उनके द्वारा सिंचाई के लिए विकसित किए गए पवन और पानी से चलने वाले पंप का अवलोकन कर जानकारी भी प्राप्त की। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल, निदेशक विक्रमादित्य शोधपीठ तथा मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्री श्रीराम तिवारी, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी उपस्थित थे।

सुरंग में फंसे लोगों का रेस्क्यू जारी, रेलवे साथ लाया प्लाज्मा कटर और ब्रॉचो कटिंग मशीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। SLBC सुरंग में 6 दिनों से फंसे 8 लोगों के रेस्क्यू में जुटी बचाव टीम में साउथ सेंट्रल रेलवे में शामिल हो गया है। एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि रेलवे बचाव दल टीम के साथ मिलकर लोगों की खोजबीन में जुटी है। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए श्रीधर ने कहा कि रेलवे के पास प्लाज्मा कटर और ब्रॉचो कटिंग मशीन जैसे उपकरणों का इस्तेमाल करके भारी धातुओं को काटने का अनुभव है।

रेलवे मदद के लिए आया सामने - ए श्रीधर ने पीटीआई को बताया कि ÷जिला कलेक्टर, नगर कर्नूल ने बचाव कार्य में मदद के लिए दक्षिण मध्य रेलवे से सहायता मांगी है ताकि लोहे और स्टील के मलबे को हटाया जा सके जो घटनास्थल पर रेस्क्यू में बाधा डाल रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि एससीआर ने कॉल का तुरंत जवाब दिया और बचाव मिशन में धातु काटने के विशेषज्ञों की दो टीमों को तैनात किया। पहला बैच, जिसका नेतृत्व एस मुरली, विभागीय यांत्रिक इंजीनियर कर रहे थे, जिसमें एक वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर, 13 वेल्डर और सिकंदराबाद से दो तकनीशियन शामिल थे, साइट पर पहुंच गए हैं और जिम्मा को संभाल लिया है।

देश में हर साल 35-40 सैन्य विमानों के निर्माण की जरूरत, वायुसेना चीफ बोले- पीछे मुड़कर नहीं देख सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने रक्षा विनिर्माण के लिए स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि भारत में हर साल कम से कम 35-40 सैन्य विमानों के निर्माण की आवश्यकता है और इस लक्ष्य को पूरा करना असंभव नहीं है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारतीय वायुसेना स्वदेशी प्रणाली को प्राथमिकता देगी, भले ही वह थोड़ा कम प्रदर्शन करे। शुक्रवार को यहां भारत 2047- युद्ध में आत्मनिर्भर विषय पर आयोजित चाणक्य डायलॉग्स कॉन्क्लेव में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि वायुसेना की पहली प्राथमिकता ऐसे सैन्य विमानों का निर्माण करना है जो स्वदेशी हो।

वायुसेना प्रमुख ने जोर देते हुए कहा कि इस बात को लेकर मेरा दृष्टिकोण पूरी तरह से स्पष्ट है और मैं बिल्कुल आश्वस्त हूं कि भले ही स्वदेशी प्रणाली का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कम हो। अगर यह विश्व बाजार में उपलब्ध प्रणाली का 90 प्रतिशत या 85 प्रतिशत हो तो भी हम स्वदेशी प्रणाली पर ही जोर देंगे। उन्होंने कहा कि इसकी वजह यह है कि केवल यही एकमात्र तरीका है जिससे हम अपनी रक्षा की दृष्टि से आत्मनिर्भर होने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

भारत जैसा कोई दूसरा देश ही नहीं..., कोलकाता में बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, कहा- हमने दुनिया को दिखाई राह

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि भारत की नींव सनातन धर्म में निहित है। धनखड़ ने कहा कि भारत अहिंसा, शांति और भाईचारे के सिद्धांतों के कारण सदियों से दुनिया के लिए मार्गदर्शक शक्ति रहा है और भविष्य में विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उपराष्ट्रपति कोलकाता में गौड़ीय मिशन के संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद की 150वीं जयंती के समापन समारोह में यहां साइंस सिटी में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते हुए संबोधित कर रहे थे।

सनातन धर्म की समावेशिता और सार्वभौमिक मूल्यों पर जोर - धनखड़ ने सनातन धर्म की समावेशिता और सार्वभौमिक मूल्यों पर जोर देते हुए कहा कि यह देशभक्ति और जाति, पंथ व आर्थिक भेदभाव से ऊपर उठने का प्रतीक है। उन्होंने भारत की 5,000 साल पुरानी संस्कृति को दुनिया में अद्वितीय बताया।

उन्होंने कहा कि भारत सदियों से आध्यात्मिक केंद्र रहा है और इसे आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने इस दौरान नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों के विनाश पर भी चिंता व्यक्त की, जो कभी वैश्विक ज्ञान केंद्र थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने आक्रमणों के दौरान अकल्पनीय बर्बरता और विध्वंस देखा, लेकिन देश इन चुनौतियों से उबरकर फिर से विकास और प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह यात्रा आध्यात्मिक उन्नति के बिना संभव नहीं होगी। राष्ट्रीय आंदोलनों में बंगाल के योगदान और भूमिका का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने इसे हर महत्वपूर्ण आंदोलन का अग्रदूत बताया, चाहे वह आध्यात्मिक हो, सांस्कृतिक हो या स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित।

गोवा में पर्यटकों की संख्या में क्यों आई कमी? बीजेपी नेता का अजीबोगरीब दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों से गोवा में पर्यटकों की संख्या में कमी आई है। इसके पीछे कई वजहें हैं। गोवा में पर्यटकों में आई कमी पर भाजपा के विधायक और पूर्व मंत्री माइकल लोबो ने गुरुवार को चिंता जाहिर की। वहीं, उन्होंने गोवा के पर्यटन उद्योग को राज्य में विदेशी पर्यटकों की कमी के लिए जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा कि गोवा का पर्यटन विभाग, राज्य की संस्कृति की पारंपरिक व्यंजनों को प्रदर्शित करने में असफल रहा है।

यह विडियो भी देखें- उन्होंने आगे कहा कि गोवा के समुद्री तटों पर वड़ा-पाव और इडली-सांभर की बिक्री बढ़ गई है। बेंगलुरु के कुछ लोग गोवा में आकर झोपड़ियों में वड़ा-पाव परोस रहे हैं, कुछ इडली-सांभर बेच रहे हैं। वहीं, जिन व्यंजनों को समुद्र तट पर बेची जानी चाहिए वो नहीं है। यही कारण है कि पिछले दो सालों से राज्य में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में गिरावट आ रही है।

उन्होंने ये भी दावा किया कि रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से विदेशी पर्यटकों की संख्या में कमी आई है।

भाजपा विधायक ने राज्य पर्यटन विभाग और अन्य हितधारकों से एक संयुक्त बैठक आयोजित कर इस बात पर विचार करने का आग्रह किया कि हाल के दिनों में विदेशी पर्यटक गोवा आने के लिए क्यों इच्छुक नहीं हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, यदि हम कोई व्यवस्था नहीं बनाएंगे तो पर्यटन क्षेत्र में बुरे दिन आएंगे।

13 टीमें, खोजी कुत्ते और ड्रोन... खेत में छिपा बैठा था दरिंदा, 70 घंटे बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र पुलिस ने पुणे के स्वारगेट बस अड्डे पर युवती से दुष्कर्म करने वाला आरोपी दत्तात्रेय रामदास गाडे को गिरफ्तार कर लिया है। हिस्ट्रीशीटर आरोपी की तलाश में 13 टीमें जुटी थीं। इस अभियान में खोजी कुत्ते से लेकर ड्रोन तक की मदद ली गई।

करीब 70 घंटों के बाद पुलिस ने आरोपी को पुणे के शिरूर तहसील के गुनात गांव के शिवर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दत्तात्रय रामदास गाडे के नाम से हुई है।

चीनी जहाजों से 10 लाख डॉलर वसूलेगा अमेरिका, आयातित सामान पर टैरिफ दोगुना करेंगे ट्रंप; क्या भारत पर होगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद अब अमेरिका अपने बंदरगाह पर आने वाले चीन के जहाजों से भारी शुल्क वसूलने की तैयारी कर रहा है। शुल्क के दायरे में चीन में बने जहाज भी आएंगे, चाहे वह किसी भी देश का सामान लेकर अमेरिका में आए हों। अगर ऐसा होता है तो भारत को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है क्योंकि भारतीय निर्यातक अपने उत्पाद अमेरिका भेजने के लिए चीन में बने जहाजों पर निर्भर हैं।

10 लाख डॉलर तक शुल्क वसूलेगा अमेरिका- अमेरिका ने एक प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत चीन की शिपिंग कंपनियों और चीन के शिपयार्ड में बने जहाजों से 10 लाख डॉलर शुल्क वसूला जाएगा। यूएस लेबर यूनियंस की मांग पर यूएस ट्रेड रिप्रजेंटेटिव (यूएसटीआर) ने पिछले वर्ष मार्च में चीन के जहाजों और वहां की सामुद्रिक व्यवस्थाओं की जांच की थी। इसके बाद ही चीनी जहाजों से भारी शुल्क वसूलने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

भारत पर कैसे पड़ेगा असर- अगर अमेरिका इस प्रस्ताव को लागू करता है तो इससे भारत के विदेशी व्यापार पर भी असर हो सकता है क्योंकि भारतीय निर्यात काफी हद तक विदेशी जहाजों पर निर्भर है। अमेरिका भारत का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। विशेषज्ञों का कहना है कि जहाजरानी कंपनियां इसका बोझ उत्पाद भेजने वालों पर डाल सकती हैं। दुनिया अभी स्वेज नहर संकट से उबरी ही है और उसके सामने एक और संकट खड़ा हो गया है।

चीन का दबदबा- 1999 में वैश्विक जहाज निर्माण बाजार में चीन की हिस्सेदारी सिर्फ पांच प्रतिशत थी, जो 2023 में बढ़कर 50 प्रतिशत हो गई। जनवरी 2024 में कमर्शियल वर्ल्ड फ्लीट में चीन की हिस्सेदारी 19 प्रतिशत से अधिक थी। शिपिंग कंटेनर्स के उत्पादन में चीन की हिस्सेदारी 95 प्रतिशत है। इससे पता चलता है कि वैश्विक जहाजरानी उद्योग में चीन की क्या हैसियत है।

भारत का निर्यात बढ़ा- अमेरिका में बहुत कम बन रहे हैं जहाज 5 जहाज सालाना बना रहा है अमेरिका 70 जहाज बनाता था सालाना 1975 में अमेरिका को भारत का निर्यात 77.5 अरब डॉलर हो गया अमेरिका को भारत का निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 10.3 प्रतिशत की दर से सालाना बढ़ा है भारत का निर्यात पिछले तीन दशक में।

अब अमेरिकानो नहीं कैनेडियानो कहें..., क्यों कॉफी का बदला जा रहा नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपने कई बार जगहों के नाम किसी विवाद के चलते बदलते देखे होंगे। क्या कभी कॉफी का नाम किसी विवाद के चलते बदलते देखा? अब कनाडा में कॉफी का नाम बदलने की बात सामने आई है।

कनाडा और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने के साथ ही देश भर में बढ़ती संख्या में कैफे कॉफी के नाम बदल रहे हैं। कनाडाई कॉफी शॉप अचानक नाम क्यों बदल रहे हैं।

अमेरिकानो अब कैनेडियानो- कनाडा के कॉफी शॉप में एस्प्रेसो शॉट और पानी से बनी कॉफी अमेरिकानो को अब कैनेडियानो के रूप में परोसा जा रहा है। साथ में ये भी मैसेज दिया जा रहा है कि सॉरी अमेरिकानो नहीं कैनेडियानो कहें।

कैनेडियानो क्रांति आई- अमेरिकानो का नाम बदलने की मुहिम ब्रिटिश कोलंबिया स्थित कॉफी कंपनी किकिंग हॉर्स कॉफी के एक इंस्टाग्राम पोस्ट से शुरू हुई, जिसे अब डिलीट किया जा चुका है।

कंपनी ने देश के सभी कैफे को ऐसा नाम अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कंपनी ने कहा कि ये देशभक्ति को दर्शाता है, जिसके बाद पूरे कनाडा में रीब्रांडेड मेन्यू की लहर चल पड़ी है।

किकिंग हॉर्स ने किया पोस्ट- किकिंग हॉर्स ने बताया कि उनका कैफे 16 वर्षों से कैनेडियानो परोस रहा है। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पोस्ट में लिखा था,

हम आधिकारिक तौर पर इसे मेन्यू में ला रहे हैं और प्रचलित करना चाहते हैं, ताकि देश भर के कॉफी स्टोर इसे अपनाएं।

पोस्ट पर हुआ विवाद- हालांकि, पोस्ट विवादों में भी घिर गई और एक्स पर कुछ यूजर्स ने किकिंग हॉर्स के बहिष्कार की बात कही।

इस बीच ये बात दूसरे कैफे तक फैल गई और टोरंटो, ओंटारियो में कैफे शॉप अब अपने मेनू में कैनेडियानो पेश करने लगे।

कैफे ऑनर्स ने कहा कि वो नहीं चाहते कि उनका कैफे राजनीति का अड्डा बने, लेकिन उनका मानना है कि वो कनाडा के लिए समर्थन दिखाना चाहते हैं, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो।

अमेरिका का लगातार हो रहा विरोध- कॉफी शॉप की रीब्रांडिंग उन तरीकों में से एक है, जिससे कनाडाई लोग अमेरिका के खिलाफ खड़े होने की बात दिखा रहे हैं।

ट्रंप के आते ही दोनों देशों में बढ़ी खाई- डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में लौटने के बाद से अमेरिका-कनाडा संबंध खराब हुए हैं। ट्रंप ने हाल ही में कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत का भारी आयात शुल्क लगाने की धमकी दी है।

डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ लगाया तो हम... ट्रूडो ने दी खुलेआम धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने कनाडा से आयात पर नए कड़े टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। 4 मार्च से कनाडा पर टैरिफ लगाया जाएगा। अमेरिका के इस फैसला पर कनाडा की ओर से जवाब आया है। कनाडा के निवर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिका के इस फैसले को लेकर ट्रंप को चेतावनी दी है।

ट्रूडो ने कहा,कनाडा यह सुनिश्चित करने पर ध्यान दे रहा है कि मंगलवार और उसके बाद के हफ्तों में अमेरिका द्वारा उन पर कोई टैरिफ न लगे। हम इसे रोकने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, अगर अमेरिका हम पर अनुचित टैरिफ लगाता है तो हम कड़ी प्रतिक्रिया देंगे, जिसकी उम्मीद कनाडा वासियों को है। ट्रूडो ने कहा कि अमेरिका में फेंटानाइल ड्रग्स के संकट की वजह से कनाडा पर टैरिफ लगाया जा रहा है, लेकिन वहां पहुंचने वाले फेंटानाइल का एक प्रतिशत से भी कम कनाडा से जाता है। ट्रंप को समझने की जरूरत है कि उनके देश में फैली चुनौतियों की वजह कनाडा नहीं है।

कनाडा पर क्यों टैरिफ लगा रहा अमेरिका- अमेरिका में फेंटानाइल ड्रग्स का प्रचलन नशे के सेवन के तौर पर बढ़ा है। यह दवा इतनी हार्ड है कि इसका सिर्फ एक बार ही सेवन करने से कोई भी शख्स घंटों तक नशे में रह सकता है। इस ड्रग को मरीजों के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है। अमेरिका में यह ड्रग बैन है, लेकिन कनाडा, मेक्सिको से ड्रग तस्कर इसे अमेरिका में बेचते हैं। इस ड्रग्स की वजह से अमेरिका में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। पीड़ितों के परिवार तबाह हो चुके हैं।

ट्रंप का आरोप है कि कनाडा तस्करों पर लगाम लगाने के लिए कुछ नहीं कर रहा है। ट्रंप का कहना है कि जब तक कनाडा इन तस्करों को खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं करता तब तक कनाडा पर टैरिफ जारी रहेगा।

नेपाल के विदेश मंत्री देउबा के प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग...

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल के विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा को लेकर काठमांडू जाने वाले कतर एयरवेज के विमान की शुक्रवार को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। खराब मौसम के कारण त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने में विफल होने के बाद फ्लाइट को कोलकाता डायवर्ट किया गया।

खराब मौसम के चलते इमरजेंसी लैंडिंग- देउबा जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र की बैठक में भाग लेने के बाद नियमित उड़ान से घर लौट रहे थे। त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के सूत्रों के अनुसार, दोहा से कतर एयरवेज का विमान खराब मौसम की स्थिति के बीच कोलकाता में उतरा।

मौसम ठीक होने पर नेपाल वापस लौटेगा विमान- पश्चिमी विक्षोभ के चलते शुक्रवार सुबह काठमांडू घाटी में हल्की बारिश हुई, जिससे विजिबिलिटी कम हो गई।

हवाई अड्डे के एक कर्मचारी ने कहा, कोलकाता डायवर्ट किया गया कतर एयरवेज का विमान मौसम सामान्य होने पर नेपाल वापस लौटेगा। देउबा को छोड़कर विमान में यात्रियों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

सुरक्षा परिषद के कामकाज में हो अधिक पारदर्शिता, भारत ने फिर उठाया सुधार का मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने सुरक्षा परिषद में सुधारों का आह्वान किया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतानेनी हरीश ने परिषद के सहायक निकायों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर दिया।

आतंकवादी संस्थाओं का उठाया मुद्दा- हरीश ने कहा कि आतंकवादी संस्थाओं को काली सूची में डालने के अनुरोध को अस्वीकार करने या रोकने के बारे में विवरण सार्वजनिक नहीं किया जाता है और यह केवल कुछ चुनिंदा लोगों का विशेषाधिकार है।

उन्होंने कहा कि इसके कार्य करने के तरीके तुरंत बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह सदस्य देशों के लिए कार्रवाई करने का समय है। आगे बढ़ने और परिणाम दिखाने का समय है। इस पृष्ठभूमि में मैं काम करने के तरीकों के संबंध में निम्नलिखित विशिष्ट बिंदु रखना चाहूंगा।

संयुक्त राष्ट्र की व्यापक सदस्यता से जुड़े परिषद - सबसे पहले, परिषद को संयुक्त राष्ट्र की व्यापक सदस्यता के साथ जुड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसे हासिल करने का एक सार्थक तरीका महासभा में सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट पर चर्चा के माध्यम से होगा।

खैबर पख्तूनख्वा की मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान बम धमाका, छह लोगों की मौत; कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में एक मदरसे (जामिया हक्कानिया मदरसा) में शुक्रवार को बम ब्लास्ट हो गया। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। इस ब्लास्ट में मदरसे के प्रमुख भी घायल हो गए हैं। यह मदरसा प्रांत के नौशेरा इलाके में स्थित है।

आत्मघाती हमले का शक- विस्फोट मदरसे के मुख्य हॉल में शुक्रवार की नमाज के दौरान हुआ, जिसके बाद अधिकारियों ने नौशेरा में आपातकाल की घोषणा कर दी। शुरुआत जांच के अनुसार, ये एक आत्मघाती हमला था।

मदरसे की स्थापना सितंबर 1947 में इस्लामिक विद्वान मौलाना अब्दुल हक हक्कानी ने की थी। पिछले महीने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सड़क किनारे एक बम ब्लास्ट हो गया था। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

कायरतापूर्ण और जघन्य अपराध- प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटना पर दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा, आतंकवाद के ऐसे कायराना और जघन्य कृत्य आतंकवाद के खिलाफ हमारे संकल्प को कमजोर नहीं कर सकते। (हम) देश से आतंकवाद के सभी रूपों को पूरी तरह से मिटाने के लिए दृढ़ हैं।

आंतरिक मंत्रालय के एक्स पर पोस्ट के अनुसार, पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने भी विस्फोट की निंदा की, गहरा दुख और खेद व्यक्त किया।

पाकिस्तान में करोड़पति भिखारी परिवार! MBBS बहू ने सास-ससुर के काले धंधे का खोला राज; सच्चाई सुनकर रह जाएंगे दंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क पर भीख मांग रहे लोगों पर अक्सर हमें दया आ जाती है। दया भाव से हमें उनकी मदद के लिए कभी पैसे तो कभी खान-पान की कुछ वस्तुएं भेंट कर देते हैं। ज्यादातर भिखारियों के पास दो जून की रोटी जुटाने में असमर्थ होते हैं, लेकिन पाकिस्तान में एक भिखारी फैमिली ऐसी है, जिनके पास करोड़ों की संपत्ति है।

पाकिस्तान में करोड़पति भिखारी परिवार- पाकिस्तान में इस करोड़पति भिखारी फैमिली का खुलासा उनके घर के एक सदस्य ने किया। दरअसल, एमबीबीएस ग्रेजुएट लड़की की शादी एक परिवार में हुई। शादी से पहले उसके माता-पिता को जरा भी भनक नहीं था कि उनकी बेटी की शादी एक ऐसे परिवार में हो रही है, जिनके सदस्य भीख मांगते हैं। लड़की के माता-पिता ने देखा कि उनकी बेटी के ससुरालवालों के पास अपार संपत्ति है। आलीशान घर है। लैंड क्रूजर और फॉर्च्यूनर जैसी महंगी गाड़ियां है।

लड़की ने बताया ससुरालवालों की हकीकत- पाकिस्तान यूट्यूबर सैयद बासित अली ने एमबीबीएस ग्रेजुएट इस युवती से बातचीत की। लड़की ने बताया कि उसकी शादी एक अमीर परिवार में हुई थी, जिसके पास करोड़ों का घर और सभी आधुनिक सुविधाएं थीं। पहले पांच से छह महीने तक तो सब कुछ सही लगता था। हालांकि, उसके जीवन में एक नाटकीय मोड़ तब आया जब उसने देखा कि परिवार के सभी सदस्य लैंड क्रूजर और फॉर्च्यूनर जैसी लग्जरी कारों में एक साथ चले जाते हैं।

एक दिन जिज्ञासावश, उसने अपने परिवार वालों का पीछा किया तो वह पूरी तरह हैरान रह गई। उसने देखा कि ससुराल वाले पेशेवर मेकअप के साथ भिखारियों का वेश धारण किए हुए थे।

शेख हसीना को बांग्लादेश की सत्ता से हटाने वाले छात्र लॉन्च करेंगे पार्टी, सपोर्ट में उतरी सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में छात्रों ने राजनीतिक पार्टी बनाने का एलान कर दिया है। आज जातीय नागरिक पार्टी की लॉन्चिंग होने वाली है। छात्र आंदोलन के प्रमुख नेता नाहिद इस्लाम ने मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार से इस्तीफा दे दिया है ताकि वे इस नई पार्टी का नेतृत्व कर सकें। नेशनल सिटीजन पार्टी को पाकिस्तान से भी काफी मदद मिल रही है।

पार्टी को बांग्लादेश सेना का भी समर्थन- इस पार्टी में पाकिस्तान परस्त और कट्टरपंथी जमात इस्लाम की छात्र शाखा छात्र शिविर से जुड़े कई पूर्व नेताओं की नई पार्टी में भागीदारी से चिंता बढ़ गई है। साथ ही पार्टी को बांग्लादेश सेना के समर्थन की वजह से भी आलोचना हो रही है। जातीय नागरिक समिति के सूत्रों के मुताबिक, शिविर के पूर्व नेता पार्टी में महत्वपूर्ण पदों पर काबिज होने का दबाव बना रहे हैं। पार्टी के निशान के लिए मुट्ठी वाला हाथ, हाथी और बाघ प्रतीक के रूप में प्रस्तावित किए।

पार्टी में इन लोगों को दी गई जिम्मेदारी - नाहिद इस्लाम इस पार्टी के संयोजक होंगे। पार्टी के सदस्य सचिव अख्तर हुसैन होंगे। पार्टी के मुख्य आयोजक (उत्तर) सरजिस आलम होंगे। मुख्य आयोजक (दक्षिण) हसनत अब्दुल्ला होंगे। मुख्य समन्वयक नसीरुद्दीन पटवारी और संयुक्त समन्वयक हन्नान मसूद होंगे। जातीय नागरिक समिति के सदस्य अख्तर हुसैन सचिव हैं।

किसानों का बोनस भी बंद कर दिया, कांग्रेस ने फिर उठाया MSP का मुद्दा; कहा- केंद्र सरकार बदले की भावना से कर रही काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने एक बार फिर से किसानों के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने एमएसपी का मुद्दा उठाते हुए भाजपा पर देश के किसानों के खिलाफ बदले की भावना से काम करने का आरोप लगाया है।

दरअसल, विपक्षी दल ने कहा कि एमएसपी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार तय किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता अभय दुबे ने कहा कि सरकार ने समर्थन मूल्य को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए एक समिति बनाई थी, जिसकी कई बैठकें हो चुकी हैं।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना- कांग्रेस नेता अभय दुबे ने एक पीसी के दौरान कहा कि एक तरफ 22 फरवरी को देश के कृषि मंत्री भोपाल से दिल्ली के लिए उड़ान भरते हैं और यात्रा के दौरान उन्हें विमान की सीट पर बैठने में परेशानी होती है और सोशल मीडिया पर हंगामा मच जाता है। अभय दुबे ने आरोप लगाया कि किसान पिछले कई वर्षों से परेशान हैं, लेकिन उनकी बात कोई नहीं करता। कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार पर किसान विरोधी होने का आरोप भी लगाया।

6 देशों में भूकंप; भारत से ताजिकिस्तान... नेपाल से पाकिस्तान

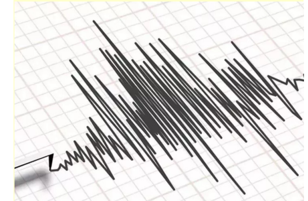

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले 24 घंटे में असम से पाकिस्तान तक लगभग 6 बार धरती भूकंप के झटकों से हिली। शुक्रवार की रात नेपाल में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। इसके झटके बिहार और असम तक महसूस किए गए। लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप भारतीय समयानुसार रात में 2:36 बजे आया। सुबह 5:14 बजे पाकिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के मुताबिक नेपाल में आए भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.5 थी। राजधानी काठमांडू से लगभग 65 किलोमीटर पूर्व सिंधुपालचौक जिले के भैरवकुंडा में इसका केंद्र था। हालांकि अभी तक किसी के हताहत या नुकसान होने की कोई खबर नहीं है। मगर झटके काफी तेज थे। लोग अपने घरों से बाहर निकल आए थे। नेपाल में आए भूकंप के झटके पटना, सिक्किम और दार्जिलिंग तक महसूस किए गए। इसके अलावा तिब्बत तक धरती डोली है।

शुक्रवार की सुबह 5:14 बजे दूसरा भूकंप पाकिस्तान में आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र पाकिस्तान के बरखान के पास था।

उसे वजन कम करने के लिए जेल में रहने दो..., वकील की अजीब दलील सुन भड़कीं सुप्रीम कोर्ट की जज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में आज एक ऐसा मामला आया जिससे नाराज जस्टिस बेला त्रिवेदी ने कुछ ऐसा कहा जो चर्चा का विषय बन गया। दरअसल, शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बेला त्रिवेदी ने हिरासत में बंद एक आरोपी की ओर से दायर राहत याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की।

वकील के दलील सुन जस्टिस बेला हुईं नाराज- सुनवाई के दौरान आरोपी महिला के वकील ने दलील देते हुए कहा कि मेरी मुवक्किल का वजन अधिक है, इसलिए उन्हें राहत देते हुए बेल पर जेल से निकाला जाना चाहिए।

बार एंड बेंच के अनुसार, इस बात पर जस्टिस त्रिवेदी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, क्या यह राहत का आधार होना चाहिए?

इसके बाद वकील ने कहा कि वह अपनी मुवक्किल की बीमारियों का हवाला दे रहे थे। इस पर जज ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, उसे हिरासत में रहने दें ताकि उसका वजन कम हो जाए।

जस्टिस त्रिवेदी पहले भी आपराधिक मामलों में जमानत या इसी तरह की राहत देने पर सख्ती दिखाती रही हैं। मई 2024 में एक सुनवाई के दौरान उन्होंने यहां तक कह दिया कि सुप्रीम कोर्ट को जमानत के मामलों में दखल नहीं देना चाहिए।

मार्च में संसद में पेश होगा वक्फ विधेयक, 14 बदलावों पर कैबिनेट की मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल से हरी झंडी मिल गई है। 10 मार्च से 4 अप्रैल तक बजट सत्र का दूसरा चरण चलेगा। इसी दौरान वक्फ संशोधन विधेयक संसद में पेश किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक 19 फरवरी को आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में 14 बदलावों को मंजूरी दी गई है। विधेयक में वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को भी शामिल करने का प्रस्ताव है। 13 फरवरी को वक्फ विधेयक से जुड़ी जेपीसी रिपोर्ट जब संसद में पेश की गई तब विपक्ष ने इस पर खूब हंगामा किया।

रिजिजू ने पेश किए थे दो विधेयक- पिछले साल 8 अगस्त को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक- 2024 और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक- 2024 पेश किए थे। इन विधेयकों का उद्देश्य वक्फ बोर्ड के काम को व्यवस्थित और वक्फ संपत्तियों का कुशल प्रबंधन करना है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक- 2024 का उद्देश्य वक्फ अधिनियम- 1995 में संशोधन करना है ताकि वक्फ संपत्तियों के विनियमन और प्रबंधन में आने वाली समस्याओं को खत्म किया जा सके।

क्यों निरस्त होगा 1923 का कानून- मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक- 2024 का उद्देश्य मुसलमान वक्फ अधिनियम-1923 को निरस्त करना है। यह कानून अंग्रेजों के समय का है और आज के हिसाब से वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन के लिए अपर्याप्त है। इसके निरस्त करने के पीछे की एक वजह यह भी है कि वक्फ संपत्तियों के प्रशासन, प्रबंधन में एकरूपता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 का नाम बदलकर प्रस्तावित नाम एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास विधेयक होगा।

राज्य वक्फ बोर्डों में मुस्लिम ओबीसी समुदाय से एक सदस्य होगा।

नासिक, हरिद्वार और उज्जैन... प्रयागराज के बाद कब-कहां लगेंगे कुंभ मेले?

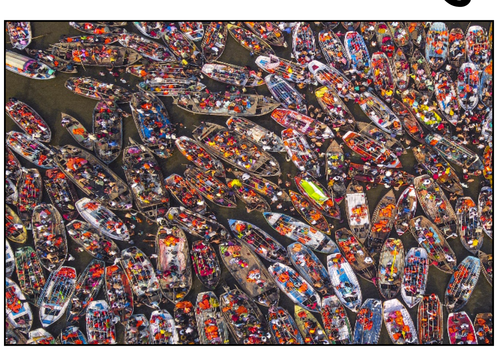

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन महाकुंभ मेला 2025 संपन्न हो चुका है। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक 45 दिनों तक चला महाकुंभ मेला कई मायनों में अद्भुत रहा है। साधु, संतों और संन्यासियों समेत देश-दुनिया की बड़ी हस्तियों ने पवित्र स्नान किया। गंगा-यमुना और सरस्वती के संगम पर 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई।

कहां होगा अगला महाकुंभ- प्रयागराज के बाद अगला महाकुंभ महाराष्ट्र के नासिक जिले में आयोजित होगा। 2027 में नासिक से लगभग 38 किमी दूर त्र्यंबकेश्वर में कुंभ मेले का आयोजन किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नासिक में 17 जुलाई से 17 अगस्त तक कुंभ मेला चलेगा।

महाराष्ट्र सरकार एक नए प्राधिकरण का गठन करेगी। यही प्राधिकरण महाकुंभ मेले का आयोजन देखेगा। नासिक में पिछला सिंहस्थ कुंभ मेला 2015-16 में आयोजित किया गया था। नासिक में स्थित त्र्यंबकेश्वर शिव मंदिर को 12 ज्योतिर्लिंगों में शामिल किया जाता है। भारत में चार शहरों में कुंभ मेले का आयोजन होता है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, उत्तराखंड के हरिद्वार, महाराष्ट्र के नासिक और मध्य प्रदेश के उज्जैन में कुंभ होता है। हर तीन साल में इनमें से किसी भी स्थान पर एक कुंभ मेला पड़ता है। 12 साल में आयोजित होने वाला मेला पूर्ण कुंभ कहलाता है। छह साल में अर्ध कुंभ होता है। महाकुंभ 144 साल बाद होता है। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 144 साल बाद पड़ा है।

हरिद्वार में 2021 में लगा था पूर्ण कुंभ। अब 2033 में लगेगा अगला पूर्ण कुंभ।

शिक्षा मंत्रालय ने कहा- रांची में कोई IIT नहीं, अब पित्रोदा का नया दावा- IIT रुड़की से मिला था न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने 22 फरवरी को दावा किया था कि आईआईटी रांची में उनके ऑनलाइन व्याख्यान को हैक किया गया था। इसके बाद हैकरों ने आपत्तिजनक वीडियो भी चालू कर दिया था। मगर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने सैम पित्रोदा के दावे को भ्रामक और तथ्यों से परे बताया। मंत्रालय ने कहा कि रांची में कोई भी आईआईटी नहीं है। अब सैम पित्रोदा ने नया दावा किया है।

अब पित्रोदा बोले- आईआईटी रुड़की से मिला था न्योता- सैम पित्रोदा का नया दावा आईआईटी रुड़की से जुड़ा है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है कि एक फरवरी को आईआईटी रुड़की में एक कार्यक्रम के लिए जूम लिंक के माध्यम से बोलने का न्योता मिला। इसमें छात्र और फैकल्टी शामिल थे। दुर्भाग्य से मेरे भाषण के कुछ ही मिनटों बाद एक हैकर ने वीडियो लिंक को हैक कर लिया और अनुचित सामग्री स्ट्रीम करना शुरू कर दिया। पित्रोदा ने आगे लिखा कि हमने तुरंत वीडियो बंद कर दिया और कार्यक्रम खत्म किया।

पित्रोदा ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में ऐसी घटनाएं बहुत परेशान करने वाली हैं। साइबर सुरक्षा एक गंभीर चिंता का विषय बना है। यह डिजिटल सुरक्षा और सतर्कता के महत्व की याद दिलाता है।

पहले दावे को खारिज कर चुका मंत्रालय- इससे पहले रांची से जुड़े पित्रोदा के दावे पर शिक्षा मंत्रालय ने कड़ी आपत्ति जताई थी। मंत्रालय ने कहा था कि रांची में कोई आईआईटी नहीं है। वीडियो में किया गया दावा न केवल निराधार है बल्कि अज्ञानता से भी भरा है। मंत्रालय ने यह भी कहा था कि रांची में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान है। मगर उस संस्थान ने इस बात कि पुष्टि की है कि उसने सैम पित्रोदा को किसी भी कार्यक्रम में संबोधन के लिए आमंत्रित नहीं किया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वतीया

संपादकीय

महिला शैक्षणिक नेता और उद्यमी न केवल संस्थानों को आकार दे रहे हैं, बल्कि ...

महिला शैक्षणिक नेता और उद्यमी न केवल संस्थानों को आकार दे रहे हैं, बल्कि उनके ग्रिट और दृढ़ संकल्प के साथ भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी बढ़ाते हैं महिलाएं आज सामने से अग्रणी हैं - शिक्षाविदों या शिक्षा, मीडिया, स्वास्थ्य सेवा, सशस्त्र बलों और कई अन्य क्षेत्रों में। देश एक महत्वपूर्ण बदलाव देख रहा है कि महिला नेताओं को पहले कैसे माना जाता था। भारतीय उच्च शिक्षा परिदृश्य भी एक मजबूत महिला-नेतृत्व वाले बल द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो देश की प्रगति की नींव रखता है, सामाजिक-आर्थिक विकास, आत्मनिर्भरता और जीवन की बेहतर गुणवत्ता के लिए अवसरों को अनलॉक करता है। कहने की जरूरत नहीं है, विकसीट भारत की यात्रा में महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा आवश्यक है। शिक्षित महिलाएं परिवर्तन, उत्थान परिवारों, समुदायों को मजबूत करती हैं और राष्ट्रीय प्रगति को ईंधन देती हैं, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्थायी प्रभाव पैदा करती हैं। वर्तमान परिदृश्य और उल्लेखनीय उल्लेख भारतीय उच्च शिक्षा तब पुरुष-प्रधान रहती है जब यह नेतृत्व की बात आती है, यहां तक ??कि महिलाएं एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, डेटा बताते हैं। 2021 में, महिलाओं ने भारतीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों के सिर्फ 9.55 प्रतिशत का नेतृत्व किया, जबकि पुरुषों ने 89.57 प्रतिशत का नेतृत्व किया। यह अकादमिक नेतृत्व में महिलाओं के अधिक समावेशी प्रतिनिधित्व को बेहद महत्वपूर्ण बनाता है। यदि हम अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य के साथ भारत की तुलना करते हैं, तो इसे भरने के लिए अभी भी एक बड़ा अंतर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, वैश्विक स्तर पर शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में 25 प्रतिशत नेतृत्व के पदों पर महिलाओं द्वारा कब्जा कर लिया गया है। अच्छी खबर यह है कि तस्वीर काफी बदल रही है, खासकर पिछले कुछ वर्षों में। यहां तक ??कि अतीत में, देश ने एक अग्रणी समाज सुधारक, सावित्रिबाई फुले जैसे दूरदर्शी महिला नेताओं को देखा है, जिन्होंने अपने पति ज्योतिरो फुले के साथ, 1848 में लड़कियों के लिए भारत के पहले स्कूल की स्थापना की, जिसमें महिलाओं की शिक्षा और सामाजिक न्याय की चैंपियन थे। अन्य उल्लेखनीय और व्यावहारिक महिला नेता जो उच्च शिक्षा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित कर रहे हैं, उनमें लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के सुश्री रश्मि मित्तल, प्रो-चांसलर और नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के डॉ। उमा भारद्वाज, वाइस-चांसलर शामिल हैं। अन्य सम्मानजनक उल्लेखों में डॉ। मधु चितकारा, चितकारा विश्वविद्यालय में समर्थक चांसलर और 42 साल के एक विशाल अनुभव के साथ एक उच्च शिक्षा उद्यमी शामिल हैं, जिन्होंने खरोंच से एक सफल विश्वविद्यालय का निर्माण किया है; डॉ। अनन्या मुखर्जी, शिव नादर विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर के कुलपति, एक संस्था के रूप में मान्यता प्राप्त। इसके अलावा, व्यवसाय और उद्यमशीलता के अंतरिक्ष में महिला नेताओं ने भी भारतीय युवाओं को प्रेरित किया है। उल्लेखनीय उल्लेखों में किरण माजुमदार शॉ और इंद्र नूयोई शामिल हैं। महिला नेता समावेशी वातावरण और नवाचार के माध्यम से भारतीय उच्च शिक्षा को बदल रही हैं। नेतृत्व की स्थिति में अधिक महिलाएं विविधता बढ़ाती हैं और शिक्षाविदों में नए दृष्टिकोण लाती हैं। अपने प्रयासों के माध्यम से, वे भविष्य की पीढ़ियों के लिए भारत में अधिक प्रगतिशील और न्यायसंगत शैक्षिक परिदृश्य के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। अकादमिया में महिला नेताओं द्वारा सामना की गई चुनौतियां महिला नेताओं के लिए चुनौतियों में एक छोर पर सामाजिक रूढ़िवादिता और दूसरे में एक संस्था की बाधाएं शामिल हैं। कई महिलाएं अभी भी नेताओं के रूप में, विशेष रूप से पारंपरिक क्षेत्रों में अपनी क्षमता के बारे में उनके खिलाफ गंभीर पूर्वाग्रहों का सामना कर रही हैं।

जयरामदास दौलतराम

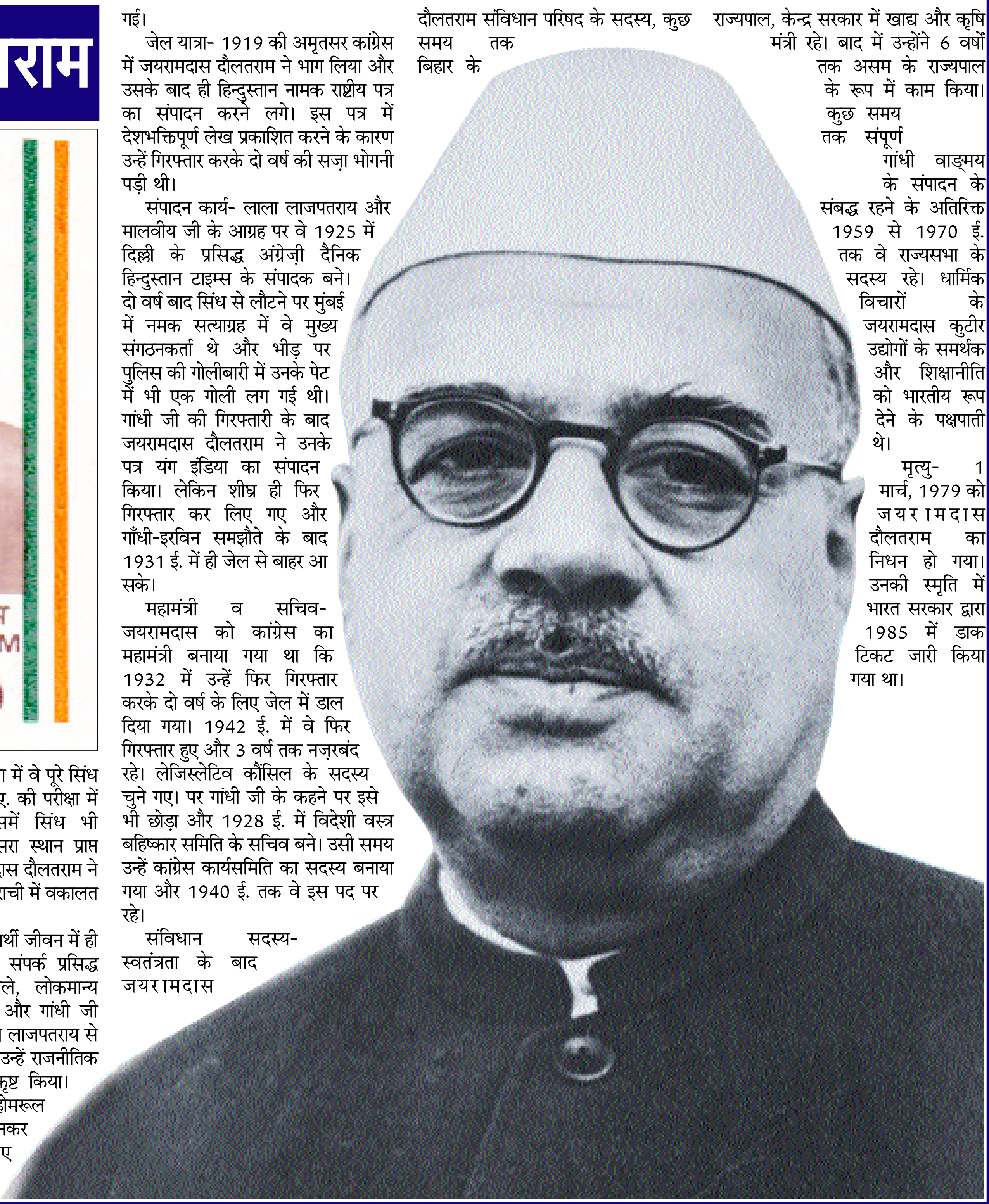

जयरामदास दौलतराम भारत के स्वतंत्रता सेनानी एवं राजनेता थे। वह संविधान सभा के सदस्य चुने गए थे। स्वतंत्रता के बाद जयरामदास दौलतराम बिहार के पहले राज्यपाल और भारत के दूसरे कृषि मंत्री नियुक्त किए गए थे। वह असम के राज्यपाल भी रहे। 1979 में उनका निधन हुआ। उनकी स्मृति में भारत सरकार द्वारा 1985 में डाक टिकट जारी किया गया था।

परिचय- जयरामदास दौलतराम प्रसिद्ध काँग्रेसी नेता थे, जो देश में विभिन्न महत्त्वपूर्ण पदों पर रहे। उनका जन्म 21 जुलाई, 1890 को कराची (अब पाकिस्तान में) के एक सम्पन्न क्षत्रिय परिवार में हुआ था। सिंध पर अंग्रेज़ों के अधिकार के पहले से ही उनके पूर्वज उच्च पदों पर रहते आए थे। जयरामदास मेधावी छात्र थे। हाईस्कूल की परीक्षा में वे पूरे सिंध प्रांत में प्रथम आए थे। बी.ए. की परीक्षा में पूरी प्रेसिडेंसी में (जिसमें सिंध भी सम्मिलित था) उन्होंने दूसरा स्थान प्राप्त किया था। मुंबई से जयरामदास दौलतराम ने क़ानून की डिग्री ली और कराची में वकालत करने लगे।

राजनीति में प्रवेश- विद्यार्थी जीवन में ही जयरामदास दौलतराम का संपर्क प्रसिद्ध नेताओं गोपालकृष्ण गोखले, लोकमान्य तिलक, फ़िरोजशाह मेहता और गांधी जी आदि से हो चुका था। लाला लाजपतराय से भी वे मिले। इन संपर्कों ने उन्हें राजनीतिक गतिविधियों की ओर आकृष्ट किया। 1916 में एनी बेसेंट की होमरूल लीग के प्रादेशिक सचिव बनकर वे सार्वजनिक क्षेत्र में आए और वकालत पीछे छूट गई।

जेल यात्रा- 1919 की अमृतसर कांग्रेस में जयरामदास दौलतराम ने भाग लिया और उसके बाद ही हिन्दुस्तान नामक राष्ट्रीय पत्र का संपादन करने लगे। इस पत्र में देशभक्तिपूर्ण लेख प्रकाशित करने के कारण उन्हें गिरफ्तार करके दो वर्ष की सज़ा भोगनी पड़ी थी।

संपादन कार्य- लाला लाजपतराय और मालवीय जी के आग्रह पर वे 1925 में दिल्ली के प्रसिद्ध अंग्रेज़ी दैनिक हिन्दुस्तान टाइम्स के संपादक बने। दो वर्ष बाद सिंध से लौटने पर मुंबई में नमक सत्याग्रह में वे मुख्य संगठनकर्ता थे और भीड़ पर पुलिस की गोलीबारी में उनके पेट में भी एक गोली लग गई थी। गांधी जी की गिरफ्तारी के बाद जयरामदास दौलतराम ने उनके पत्र यंग इंडिया का संपादन किया। लेकिन शीघ्र ही फिर गिरफ्तार कर लिए गए और गाँधी-इरविन समझौते के बाद 1931 ई. में ही जेल से बाहर आ सके।

महामंत्री व सचिव- जयरामदास को कांग्रेस का महामंत्री बनाया गया था कि 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार करके दो वर्ष के लिए जेल में डाल दिया गया। 1942 ई. में वे फिर गिरफ्तार हुए और 3 वर्ष तक नज़रबंद रहे। लेजिस्लेटिव कौंसिल के सदस्य चुने गए। पर गांधी जी के कहने पर इसे भी छोड़ा और 1928 ई. में विदेशी वस्त्र बहिष्कार समिति के सचिव बने। उसी समय उन्हें कांग्रेस कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया और 1940 ई. तक वे इस पद पर रहे।

संविधान सदस्य- स्वतंत्रता के बाद जयरामदास दौलतराम संविधान परिषद के सदस्य, कुछ समय तक बिहार के राज्यपाल, केन्द्र सरकार में खाद्य और कृषि मंत्री रहे। बाद में उन्होंने 6 वर्षों तक असम के राज्यपाल के रूप में काम किया। कुछ समय तक संपूर्ण गांधी वाङ्मय के संपादन के संबद्ध रहने के अतिरिक्त 1959 से 1970 ई. तक वे राज्यसभा के सदस्य रहे। धार्मिक विचारों के जयरामदास कुटीर उद्योगों के समर्थक और शिक्षानीति को भारतीय रूप देने के पक्षपाती थे।

मृत्यु- 1 मार्च, 1979 को जयरामदास दौलतराम का निधन हो गया। उनकी स्मृति में भारत सरकार द्वारा 1985 में डाक टिकट जारी किया गया था।

2047 तक विकसित हो पाएगा भारत? क्या कहती है वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का सपना है कि 2047 तक वह एक उच्च आय वाला विकसित देश बन जाए। लेकिन, क्या यह इतना आसान है? वर्ल्ड बैंक की लेटेस्ट रिपोर्ट बताती है कि इस लक्ष्य को पाने के लिए भारत को औसतन 7.8% की सालाना जीडीपी ग्रोथ बनाए रखनी होगी।

भारत 2000 से 2024 के बीच औसतन 6.3% की विकास दर हासिल कर चुका है। हालांकि, आगे का सफर मुश्किल हो सकता है। वर्ल्ड बैंक ने अपनी रिपोर्ट "Becoming a High-Income Economy in a Generation" में कहा है कि भारत को अपनी वित्तीय नीतियों में सुधार करने होंगे। साथ ही, श्रम और भूमि से जुड़े नियमों को और लचीला बनाना होगा। ग्लोबल मार्केट से खुद को बेहतर तरीके से जोड़ना होगा।

भारत हाई-इनकम देश बन सकता है?

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट साफ कहती है कि भारत अपने मौजूदा तरीके से आगे बढ़ता रहा, तो 2047 तक हाई-इनकम देश बनने का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाएगा। इसके लिए ग्रोथ की रफ्तार तेज करनी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2047 तक भारत को अपनी प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय को 8 गुना तक बढ़ाना होगा। इतनी ऊंची विकास दर को अगले 20 साल तक बनाए रखना होगा, जो अब तक बहुत कम देशों ने किया है। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता बनी हुई है, इसलिए भारत को सिर्फ मौजूदा सुधारों को बनाए रखने से काम नहीं चलेगा, बल्कि और अधिक सुधार करने होंगे।

भारत के लिए कौन से सुधार जरूरी- पिछले कुछ वर्षों में भारत ने कई अहम सुधार किए हैं। जैसे कि भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में प्रयास, इन्फ्रास्ट्रक्चर में बड़े निवेश, डिजिटलीकरण को बढ़ावा, मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता को मजबूत करना। लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, ये सुधार ही काफी नहीं हैं। अगर भारत को 2047 तक हाई-इनकम देश बनना है, तो सुधारों की रफ्तार और तेज करनी होगी।

वर्ल्ड बैंक ने बताए 4 अहम सुधार क्षेत्र- वर्ल्ड बैंक का कहना है कि साल 2047 तक विकसित होने के लिए भारत को चार अहम सुधार करने होंगे।

निवेश को बढ़ाना- बुनियादी ढांचे और उद्योगों में ज्यादा पूंजी झोंकनी होगी।

तुहिन कांत पांडे सेबी प्रमुख नियुक्त, तीन साल होगा कार्यकाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तुहिन कांत पांडे को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)के नए अध्यक्ष होंगे। वह मौजूदा अध्यक्ष माधवी पुरी बुच का स्थान लेंगे। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। पांडे का कार्यकाल तीन साल का होगा। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने नियुक्ति को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है।

ओडिशा कैडर के आइएएस हैं तुहिन कांत पांडे- 1987 बैच के प्रशासनिक अधिकारी तुहिन कांत पांडे फिलहाल वित्त मंत्रालय में सचिव के रूप में कार्यरत हैं। वे ओडिशा कैडर के आइएएस हैं। तुहिन कांत पांडे को नौ जनवरी को अरुणीश चावला की जगह वित्त सचिव बनाया गया था। इस पद पर पांडे की नियुक्ति आम बजट से करीब तीन सप्ताह पहले की गई थी। बजट बनाने में वित्त सचिव की बहुत बड़ी भूमिका होती है। हालांकि इनके पास राजस्व सचिव का भी प्रभार है।

माधबी पुरी बुच का कार्यकाल 28 फरवरी को समाप्त हो रहा है- वर्तमान सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच का कार्यकाल 28 फरवरी को समाप्त हो रहा है। उन्होंने दो मार्च, 2022 को तीन साल के कार्यकाल के लिए पदभार संभाला था। बुच सेबी की पहली महिला प्रमुख थीं। बुच ने अजय त्यागी का स्थान लिया था।

ब्लैक फ्राइडेः निफ्टी में 1996 के बाद सबसे लंबी गिरावट; सेंसेक्स 1414 अंक टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। दोनों प्रमुख सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्ट के लिए शुक्रवार का दिन पांच महीनों में सबसे खराब दिन के रूप में दर्ज हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप के चीन के उत्पादों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा से शुक्रवार को दुनिया भर के बाजारों में बड़ी गिरावट देखी गई। इसके दबाव में बीएसई का सेंसेक्स 1,414 और एनएसई का निफ्टी 420 अंक टूट गया। निफ्टी 50 ने 1996 के बाद से अपनी सबसे लंबी मासिक गिरावट का सामना किया है।

बीएसई सेंसेक्स 1,414.33 अंक यानी 1.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,198.10 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 1,471.16 अंक यानी 1.97 प्रतिशत गिरकर 73,141.27 के स्तर तक पहुंच गया। निफ्टी ने लगातार आठवें दिन नुकसान झेला और 420.35 अंक यानी 1.86 प्रतिशत गिरकर 22,124.70 पर बंद हुआ। पिछले साल 27 सितंबर को 85,978.25 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचे सेंसेक्स में अब तक 12,780.15 अंकों यानी 14.86 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हो चुकी है। निफ्टी भी अपने 26,277.35 के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर से 4,152.65 अंक यानी 15.80 प्रतिशत गिर चुका है।

घरेलू बाजार पर अधिक केंद्रित मिडकैप इंडेक्स अब आधिकारिक रूप से बेयर मार्केट में पहुंच गया। यह 24 सितंबर के रिकॉर्ड हाई लेवल से 20त्न से अधिक गिर गया। खराब कमाई, ऊंची वैल्यूएशन, अमेरिकी टैरिफ चिंताओं और लगातार बिकवाली के कारण दबाव बना रहा। स्मॉल-कैप इंडेक्स पहले ही 14 फरवरी को बेयर मार्केट में प्रवेश कर चुका था। अकेले फरवरी में मिड-कैप और स्मॉल-कैप इंडेक्स में 11त्न और 13त्न की गिरावट दर्ज की गई, जो मार्च 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान हुई बिकवाली के बाद की सबसे खराब मासिक गिरावट रही।

भारत की अर्थव्यवस्था में दिखी मजबूती, उम्मीद से बेहतर रही जीडीपी ग्रोथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2024) में भारत की आर्थिक वृद्धि 6.2त्न रही। यह कमी मुख्य रूप से निर्माण और खनन क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन के कारण आई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (हस्ह्र) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल इसी अवधि में 9.5त्न की वृद्धि दर्ज की गई थी। वहीं, मौजूदा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 5.6त्न की ग्रोथ हुई थी।

जीडीपी ग्रोथ का डेटा बताता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने सालाना आधार पर कमजोर प्रदर्शन किया है। हालांकि, तिमाही आधार पर इसमें रिवाइल और मजबूती के संकेत नजर आ रहे हैं। हस्ह्र ने 2024-25 के लिए विकास दर 6.5त्न रहने का अनुमान लगाया है। जनवरी 2025 में जारी पहली अग्रिम अनुमान में इसे 6.4त्न आंका गया था। साथ ही, 2023-24 के लिए त्रष्ठक्क वृद्धि दर को संशोधित कर 9.2त्न कर दिया गया है, जो पहले 8.2त्न आंकी गई थी। मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही की जीडीपी ग्रोथ आंकड़ा अर्थशास्त्रियों के अनुमान के अनुसार ही है। लेकिन जुलाई-सितंबर तिमाही के संशोधित 5.6 फीसदी की वृद्धि दर से अधिक है। इकोनॉमिक एक्सपर्ट का अनुमान था कि सरकार के बढ़ते खर्च और शहरी खपत में सुधार के कारण मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में त्रष्ठक्क ग्रोथ 6.2 से 6.3 फीसदी के बीच रह सकती है।

पांच साल में 100 अरब डॉलर का होगा रिटेल कारोबार, 7.3 लाख करोड़ डॉलर की होगी इकोनॉमी, रिपोर्ट में और क्या है दावा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेलॉयट और रिटेल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) का मानना है कि वर्ष 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 7.3 लाख करोड़ डॉलर का हो जाएगा और इसका फायदा संगठित खुदरा व्यापार को काफी अधिक मिलने वाला है। फूड इंडस्ट्री से लेकर गारमेंट, फुटवियर, एसी, फ्रिज, टीवी जैसी उपभोक्ता वस्तुओं के साथ कार, मोटर साइकिल जैसे आइटम के कारोबार में भी बढ़ोतरी होगी।

अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ने से वर्ष 2030 तक प्रति व्यक्ति सालाना आय 3.40 लाख रुपए (4000 डालर) होने का अनुमान है। डेलॉयट और आरएआई की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक निजी उपभोग में होने वाली बढ़ोतरी से वर्ष 2030 तक संगठित रिटेल का कारोबार 230 अरब डॉलर का हो जाएगा जो अभी 132 अरब डॉलर का है।

रिटेल कारोबार हर साल 10 फीसदी बढ़ने का अनुमान- हर साल संगठित रिटेल कारोबार में 10 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है। ऑनलाइन कारोबार में अगले पांच साल में औसतन 21 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी होगी और इसका कारोबार 103 अरब डॉलर से बढ़कर 325 अरब डॉलर का हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी होने पर वहां निजी उपभोग में बढ़ोतरी होती है और बचत में कमी आती है।

एक हजार में से सिर्फ 57 लोगों के पास कार- भारत में यह रुख दिखने लगा है। भारत में अभी प्रति 1000 लोगों पर सिर्फ 57 कार हैं, जबकि अमेरिका में 1000 में 850 लोगों के पास कार है। वैसे ही भारत में सिर्फ आठ प्रतिशत लोगों के घरों में एसी है, जबकि चीन में 90 प्रतिशत लोगों के घरों में एसी है। भारत में रेस्टोरेंट में खाने वाले और घूमने-फिरने पर खर्च करने वालों की संख्या भी विकसित देशों के मुकाबले काफी कम है।

EPFO का ब्याज दर पर आया फैसला; राहत मिली या फिर लगा झटका?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पीएफ पर 8.25% ब्याज देने का फैसला किया है। यह लगातार दूसरा वर्ष है, जब ब्याज दर को 8.25% पर स्थिर रखा गया है। इसका मतलब है कि सात करोड़ से अधिक खाताधारकों को पिछले साल जितना ही ब्याज मिलेगा।

पिछले कुछ वर्षों में EPF ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। आइए जानते हैं कि यह किस साल में कितनी रही।

2023-24- 8.25%
2022-23- 8.15%
2021-22- 8.1%
(पिछले 40 सालों में सबसे कम)
2020-21- 8.5%
2019-20- 8.5%
2018-19 में 8.65%

अब आगे क्या होगा- EPFO के निर्णय लेने वाले सर्वोच्च निकाय सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने इस फैसले को मंजूरी दे दी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

ड्राइवर के जरिए अधिकारी ले रही थी रिश्वत, लोकायुक्त ने 40 हजार लेते पकड़ा

सिवनी। जबलपुर लोकायुक्त ने जूनियर आपूर्ति अधिकारी के ड्राइवर को 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा। सिवनी खाद्य आपूर्ति विभाग में जूनियर सप्लाई ऑफिसर ज्योति पटले भी आरोपित बनाई गई हैं। उनके ड्राइवर कैलाश सनोडिया को बीझावाड़ा स्थित कार्यालय में 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया।

समूह संचालक ने की थी शिकायत

लोकायुक्त जबलपुर टीम की निरीक्षक मंजू किरण ने बताया कि आवेदक संतराम कन्नौजिया की पत्नी सीमा कालीरात में आदर्श स्व-सहायता समूह चलाती हैं। धान खरीदी केंद्र व राशन की दुकान संचालित करती हैं।समूह संचालक से कमीशन के बदले रिश्वत की मांग

सिवनी में पदस्थ कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ज्योति पटले ने इसका निरीक्षण किया था और कमी पाई थी। राशन की दुकान में कमी पूर्ति करने व धान उपार्जन के कमीशन के बदले रिश्वत के रुपये की मांग की गई थी। बाद में दोनों के बीच 40,000 रुपये में सौदा तैय हुआ था।

अधिकारी ने ड्राइवर के माध्यम से ली रिश्वत

यह राशि कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने अपने ड्राइवर कैलाश सनोडिया को दिलाई। मौके पर पहुंची लोकायुक्त टीम ने ड्राइवर को रिश्वत के रूपों के सहित रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस मामले में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ज्योति पटले को भी आरोपित बनाया है।

बहू की हत्या में ससुर गवाही ना दे, इसलिए उसे ही मार डाला...

रीवा । मनगवां थाना क्षेत्र के मनिकवार गांव में जघन्य हत्या का मामला सामने आया है। इस घटना में उस वृद्ध की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई, जो कि अपने ही बेटे और बहू पर प्राणघातक हमले का गवाह रहा। उस घटना में वृद्ध की बहू की मौत हो गई थी।

बताया जाता है कि इस घटना के आरोपित चाहते थे कि वृद्ध ससुर न्यायालय में वो गवाही न दे, लेकिन वो पीछे हटने तैयार नहीं रहा। इसी रंजिश के चलते गुरुवार की देर रात ससुर की भी हत्या कर दी गई।दबंगों ने युवक और उसकी पत्नी पर किया था जानलेवा हमला

जिले में मनगवां थाना क्षेत्र के ग्राम मनिकवार में डेढ़ वर्ष पूर्व गांव में ही दबंगों ने एक युवक और उसकी पत्नी पर जानलेवा हमला किया था। इस घटना में युवक की पत्नी की मौत हो गई थी। इस घटना का चश्मदीद गवाह मृतिका का ससुर हीरामणि वर्मा(62वर्ष) था।दो लोग फरार है इस मामले में गांव के ही एक परिवार के तीन लोग जेल में निरुद्ध हैं, जबकि दो फरार हैं। दबंग आरोपित पक्ष चाहता था कि हीरामणि इस मामले में गवाही से अपना नाम कटवा ले, या फिर अपने अपना बयान बदल दे, लेकिन हीरामणि वर्मा इसके लिए तैयार नहीं था।

इसी के चलते आरोपितों के रिश्तेदारों ने गुरुवार-शुक्रवार की देर रात हीरामणि वर्मा की हत्या कर दी। उसकी फाइनल गवाही कुछ दिनों बाद होने वाली थी।

हिरासत में लेकर पूछताछ जारीइस मामले में छह लोगों पर अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ऐहतियातन आरोपितों के नाम अभी नहीं बता रही है। मनगवां थाना प्रभारी वर्षा सोनकर ने बताया कि अभी चार संदेहियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

आम आदमी पार्टी का ऑफिस एमपी में बंद... 50 हजार रुपये किराया नहीं देने पर मकान मालिक ने लगाया ताला

भोपाल। आम आदमी पार्टी(आप)के प्रदेश कार्यालय पर शुक्रवार सुबह मकान मालिक ने ताला लगा दिया। बताया जा रहा है कि पार्टी ने दो महीने का 50 हजार रुपये किराया जमा नहीं किया, तो मकान मालिक ने कार्यालय पर ताला जड़ दिया।

इसे दिल्ली विधानसभा में हुई आप की हार के असर के तौर पर देखा जा रहा है। आप के प्रदेश पदाधिकारी अलग-अलग दिखाई दे रहे हैं। अंदरुनी विरोध के स्वर उठने लगे हैं। प्रदेश पदाधिकारियों के बीच आपस में अंदरुनी विवाद दिखने लगा है।आप पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष रीना अग्रवाल ने बताया कि मुझे कोई जानकारी नहीं कि पार्टी भोपाल सुभाष नगर में किराए से संचालित प्रदेश कार्यालय पर मकान मालिक ने ताला लगा दिया है।

भोपाल के पदाधिकारियों से जानकारी लेती हूं। इधर भोपाल जिला अध्यक्ष सीपी सिंह चौहान ने बताया कि हमारा जिला कार्यालय नरेला शंकरी जोड़ पर है। मुझे कोई ऐसी जानकारी नहीं है कि पार्टी का प्रदेश कार्यालय पर मकान मालिक ने ताला लगा दिया है।इधर कांग्रेस की कार्यशाला... %नाम के नहीं, काम के हों पदाधिकारी%

पदाधिकारी नाम के नहीं बल्कि काम के होने चाहिए। चुनाव और सत्ता में आने पर आगे-आगे जो लोग नजर आते हैं, वे संघर्ष के दिनों में गुम हो जाते हैं। ऐसे लोगों को चिन्हित किया जाए और ऐसे लोगों को आगे बढ़ाया जाए जो पार्टी की विचारधारा के प्रति समर्पित हैं और संगठन को मजबूत बनाने के लिए काम करना चाहते हैं।यह बात भोपाल प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में गुरुवार को आयोजित कार्यशाला में पदाधिकारियों ने कही। साथ ही यह भी सुझाव दिया कि सर्वाधिक ध्यान संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने पर दिया जाए। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार एवं प्रदेश सह प्रभारी संजय दत्त ने जिलों के प्रभारी एवं अध्यक्षों के साथ बैठक की।

फीडबैक लिया

सभी प्रभारियों से संगठन की गतिविधियों के बारे में फीडबैक लिया गया। प्रदेश पदाधिकारियों ने जनता से सीधा संवाद स्थापित करने, सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध जनआंदोलन खड़ा करने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया।

सरकार की असफलताओं को सामने लाएंगे

इस दौरान निर्णय लिया गया कि कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक जिले और विकासखंड स्तर पर आम जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को उठाएंगे और सरकार की असफलताओं को सामने लाएंगे।

महंगाई, बेरोजगारी, किसान और आदिवासी हितों, महिला सुरक्षा और लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर आने वाले दिनों में आंदोलन किए जाएंगे। जनता के बीच कांग्रेस की नीतियों को मजबूती से रखें। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कांग्रेस जनता की आवाज बनकर उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी।

417 दिन बाद खोला ग्वालियर-आगरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे का टेंडर

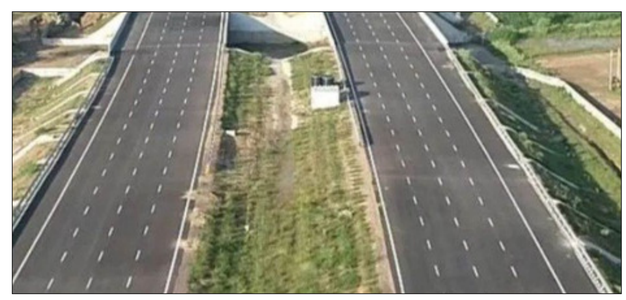

ग्वालियर । ग्वालियर से आगरा के बीच 4263 करोड़ रुपये की राशि से प्रस्तावित 88.400 मीटर लंबे एक्सेस कंट्रोल सिक्स लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे के टेंडर 417 दिन बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने खोल दिए हैं।

पांच जनवरी 2024 को इस एक्सप्रेस वे के निर्माण का टेंडर जारी किया गया था और गत 25 फरवरी को टेंडर खोलकर तकनीकी मूल्यांकन शुरू कर दिया गया है। इस टेंडर प्रक्रिया में देश की 10 बड़ी कंपनियों ने भागीदारी की है। टेंडर खुलने के बाद अब आगामी 12 मार्च तक तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन कर कार्यादेश जारी कर दिया जाएगा।25 फरवरी को खोले गए टेंडर में दिलीप बिल्डकान, पीएनसी इंफ्राटेक, गावर इंफ्रा, अप्सरा इंफ्रास्ट्रक्चर, जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स, अदाणी इंटरप्राइजेज, आइआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर, वेलस्पान इंटरप्राइजेज, डीआर अग्रवाल इंफ्राकान और एमकेसी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों ने निविदा भरी है।

अब इनमें से पात्र कंपनी को छह माह का समय संसाधन जुटाने के लिए दिया जाएगा। इसके बाद अक्टूबर माह से काम की शुरुआत की जाएगी। कंपनी को इसके बाद ढाई साल का समय निर्माण कार्य के लिए दिया जाएगा।

अवधि बढ़ाने की मांग

हालांकि कंपनियों की मांग थी कि इस अवधि को बढ़ाकर तीन साल कर दिया जाए, लेकिन प्राधिकरण ने इस पर सहमति नहीं दी। चूंकि इसी टेंडर में वर्तमान आगरा-ग्वालियर फोरलेन हाइवे की मरम्मत का काम भी शामिल है, ऐसे में नए एक्सप्रेस वे के निर्माण के साथ ही पुराने हाइवे की मरम्मत का काम भी साथ-साथ किया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट का टेंडर नहीं हो पाने के कारण अभी तक वर्तमान राजमार्ग की मरम्मत का काम भी शुरू नहीं हो पा रहा था। इसके चलते ग्वालियर से आगरा के बीच इकलौते सड़क मार्ग पर यातायात के संचालन में समस्या का सामना करना पड़ रहा है।टीटीजेड की बैठक में बनी सहमति

इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत ताज ट्रेपेजियम(टीटीजेड) जोन में 650 पेड़ों को काटने की अनुमति भी जल्द प्राप्त हो जाएगी। पहले इस प्रोजेक्ट के लिए 755 पेड़ों को काटने के लिए चिह्नित किया गया था, लेकिन बाद में संशोधन कर पेड़ों की संख्या घटकर 650 रह गई।

चूंकि इन पेड़ों को काटने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेनी है, ऐसे में पर्यावरण मंत्रालय के साथ बैठक कर सहमति बना ली गई है। जल्द ही यह अनुमति भी प्राधिकरण को प्राप्त हो जाएगी, जिसके बाद काम में तेजी लाई जा सकेगी।

ऐसे बनेगा एक्सप्रेस वे

88.4 किमी होगी एक्सप्रेस वे की लंबाई

08 बड़े पुल होंगे तैयार

23 छोटे पुल तैयार किए जाएंगे

06 फ्लाईओवर का होगा निर्माण

01 एक रेल ओवरब्रिज भी बनाया जाएगा

30 माह में पूरा करना होगा निर्माण

इंदौर जिले के 64 में से 51 मदिरा एकल समूहों का निष्पादन नवीनीकरण/लॉटरी के माध्यम से संपन्न

इंदौर। वर्ष 2025-26 हेतु घोषित आबकारी नीति के अनुसार इंदौर जिले की कुल 173 कंपोजिट मदिरा दुकानों के 64 एकल समूहों के वर्ष 2024-25 के मूल्य में 20 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए वर्तमान लाइसेंसियों से नवीनीकरण आवेदन प्राप्त किए गए थे। जिसमें कुल 64 समूहों जिनका आरक्षित मूल्य रूपये 17 अरब 81 करोड़ 51 लाख 11 हजार 998 था। जिसके विरूद्ध 40 समूहों जिनका आरक्षित मूल्य रूपये 11 अरब 65 करोड़ 44 लाख 08 हजार 531 है, के लाइसेंसियों द्वारा नवीनीकरण आवेदन प्रस्तुत किए गए थे।

नवीनीकरण आवेदन रहित कुल 24 समूहों जिनका आरक्षित मूल्य रूपये 61 अरब 60 करोड़ 70 लाख 3 हजार 467 था, पर अन्य इच्छुक आवेदकों से लॉटरी आवेदन ऑनलाईन एवं ऑफलाईन प्राप्त किए गए थे। जिनका निष्पादन आज 27 फरवरी 2025 को कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में गठित जिला निष्पादन समिति द्वारा किया गया। निष्पादन की कार्यवाही में 11 समूहों जिनका आरक्षित मूल्य रूपये 3 अरब 11 करोड़ 14 लाख 59 हजार 390 है, पर कुल 38 लॉटरी आवेदन प्राप्त हुये । जिनका निराकरण लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से पर्ची निकालकर किया गया ।

आज निष्पादित होने वाले समूहों में स्कीम नं.-54, एम.आई.जी., एम.आर.-9, तोपखाना इंदौर, मांगलिया, देपालपुर, सांवेर, हातोद, गौतमपुरा, धरमपुरी, चौपाटी पीथमपुर रोड़ सम्मिलित है । इस प्रकार नवीनीकरण एवं लॉटरी के माध्यम से 51 समूह (जिनमें 139 मदिरा दुकानें सम्मिलित है) का कुल आरक्षित मूल्य रूपये 14 अरब 76 करोड़ 58 लाख 67 हजार 921 है, का निष्पादन जिले के कुल आरक्षित मूल्य रूपये 17 अरब 81 करोड़ 51 लाख 11 हजार 998 के 80 प्रतिशत से अधिक (लगभग 83त्र) होने से जिला निष्पादन समिति द्वारा अंतिम किया गया है ।

शेष रहे समूह (जिनमें 34 मदिरा दुकानें सम्मिलित है) का आरक्षित मूल्य 30 अरब 49 करोड़ 24 लाख 4 हजार 77 है, का निष्पादन आबकारी नीति अनुसार आगामी दिनांको में समान समूह पर ई-टेण्डर एवं ई-टेण्डर कम ऑक्शन के माध्यम से किया जायेगा, जिसकी सूचना पृथक से जारी की जाएगी।

अब तक कुल 4 करोड़ से अधिक भोजन थाली कराई गई उपलब्ध

इंदौर। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में व्यवसाय और श्रम कार्य के लिये ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले गरीब परिवारों को नगरीय एवं आवास विभाग द्वारा रियायती दर मात्र 5 रुपये में थाली उपलब्ध करायी जा रही है। प्रदेश में संचालित दीनदयाल रसोई योजना का 3 चरणों में विस्तार किया गया है। योजना में अब तक 4 करोड़ से अधिक भोजन थाली जरूरतमंदों को उपलब्ध कराई जा चुकी है।

वर्तमान में 124 नगरीय निकायों में 191 रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। इनमें 166 स्थायी और 25 चलित रसोई केन्द्रों से शहरी जरूरतमंदों को भोजन थाली उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश के 16 नगर निगमों में 58 स्थायी रसोई केन्द्र, 99 नगरपालिका परिषद में 99 स्थायी रसोई केन्द्र और 9 नगर परिषदों में 9 स्थायी रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में संचालित 25 चलित रसोई केन्द्र में से 16 नगर निगमों में 23 चलित रसोई केन्द्र और 2 नगरपालिका परिषद में 2 चलित रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। नगरीय निकायों में चलित रसोई केन्द्र की सुविधा इसलिये प्रारंभ की गई है कि जरूरतमंदों को उनके श्रम स्थान पर पहुंचकर ही भोजन थाली उपलब्ध कराई जा सके।

संस्था को दी जाने वाली अनुदान राशि

नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा रसोई योजना संचालित करने वाली संस्था को विभाग द्वारा प्रति थाली 10 रुपये अनुदान राशि उपलब्ध करायी जा रही है। रसोई योजना का संचालन प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक रसोई केन्द्र में स्वच्छता के साथ किये जाने की व्यवस्था की गयी है। व्यवस्था की निगरानी की जिम्मेदारी नगरीय निकायों के अमले को सौंपी गयी है। शहरी क्षेत्र में 25 चलित रसोई केन्द्रों के लिये सुसज्जित वाहन विभाग द्वारा नगरीय निकायों को दिये गये हैं। प्रदेश के 6 धार्मिक नगरों मैहर, चित्रकूट, ओंकारेश्वर, महेश्वर, ओरछा और अमरकंटक में भी रसोई केन्द्र की व्यवस्था की गयी है।

दिव्यांगजनों के लिये 7 और 8 मार्च को आयोजित होगी सुगम्य यात्रा

इंदौर। दिव्यांगजनों को सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों, मॉल और सिनेमाघरों में उनकी सुविधानुसार किस तरह का सुगम्य वातावरण होना चाहिए। प्रदेश के प्रत्येक जिले में 7 और 8 मार्च 2025 को जिला कलेक्टर्स के सहयोग से दिव्यांगजन की ÷सुगम्य यात्रा÷ का आयोजन किया जायेगा। प्रत्येक जिले में चुनिंदा दिव्यांगजन को शासन व्यवस्था के अनुसार वाहन उपलब्ध कराकर सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

प्रमुख सचिव, सामाजिक न्याय एवं आयुक्त निःशक्तजन श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि सरकार के सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को सुगम्य वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले में ÷सुगम्य यात्रा÷ निकाली जाएगी। इसमें दिव्यांगजन को सरकारी भवनों, कलेक्ट्रेट, तहसील, नगर पालिका, नगर निगम सहित अन्य शासकीय कार्यालयों, सिनेमाघरों, आम पर्यटन स्थलों, पुस्तकालयों, बाजारों सहित अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर दिव्यांगजन उपलब्ध साधन सुविधाओं की जमीन हकीकत को देखेंगे।

स्थानों के भ्रमण के बाद दिव्यांगजनों द्वारा दी गई सलाह, सूचनाओं का संकलन किया जायेगा, जिनका उपयोग भारत सरकार द्वारा भविष्य में बनाई जाने वाली शहरी विकास नीतियों, डिजाइनिंग एवं विकासात्मक रणनीतियों में शामिल किया जायेगा, जो भविष्य में इस वर्ग के लिये अनुकूल वातावरण निर्माण में सहायक होगी। यात्रा के फोटो ÷यस टू एक्सेस÷ ऐप पर अपलोड कर सकेंगे। यात्राओं पर होने वाले व्यय सीआरएस फंड या एजीपी सब स्कीम से करने के अधिकार कलेक्टर्स को दिये गये हैं।

शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय में जनजातीय गौरव की एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया कार्यक्रम में हुई शामिल

इंदौर। शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय इंदौर में आज जनजातीय गौरव की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया थीं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय युवा वनवासी कल्याण परिषद् केंद्र नागपुर के प्रमुख श्री वैभव सुरंगे थे। मंत्री श्रीमती भूरिया ने जनजाति महानायकों के देश में ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान को बताया।

मुख्य वक्ता श्री वैभव सुरंगे ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तिलका माँझी, भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती आदि महानायकों का देश की आजादी में विशेष योगदान रहा। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज की जीवनशैली, रहन सहन के साथ आज के युग में जनजाति समाज की संस्कृति एवं सभ्यता अनुकरणीय है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम में बहुत सारे जनजाति महानायकों ने गौरवान्वित किया है। उन सबका स्मरण करना हमारा कर्तव्य है।

कार्यक्रम में शासकीय होलकर विज्ञान कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अनामिका जैन, कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. नागेश डगवानकर, श्री रूपसिंग नागर, डॉ. आर. सी. दीक्षित, डॉ. दिनेश खंडेलवाल, डॉ. विनोद ठाकुर, डॉ. सखाराम मुजाल्दे आदि विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय व्यास ने किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अनामिका जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर 25 उत्कर्ष महिलाओं का सम्मान भी किया गया।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने पांच आरोपियों को किया जिलाबदर

इंदौर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है। इसी सिलसिले में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने जिले के पांच आरोपियों को जिलाबदर करने के आदेश जारी किये है।

जारी आदेशानुसार जिन्हें जिलाबदर किया गया है उनमें थाना क्षेत्र खुड़ैल के लाला उर्फ आनन्द उर्फ आनंदिया पिता भेरूलाल निवासी-ग्राम दुधिया, थाना क्षेत्र देपालपुर के मोहम्मद बिलाल पिता शमीमुद्दीन उर्फ अबरार निवासी ग्राम मुंदीपुर, थाना क्षेत्र चंद्रावतीगंज के मुकुन्द पिता शंकर पंवार निवासी पोटलोद, थाना क्षेत्र किशनगंज के विशाल उर्फ खुन्नर पिता रामचन्द्र कौशल निवासी किशनगंज और थाना क्षेत्र महू के निखिल उर्फ डमरू पिता अजय यादव निवासी सुतार खेड़ी शामिल है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह के उक्त आदेश उक्त सभी आरोपियों को आगामी 06 माह की कालावधि के लिए इन्दौर जिला एवं उससे लगे हुए अन्य सीमावर्ती जिले उज्जैन, देवास, धार, खरगोन एवं खण्डवा जिले की राजस्व सीमा से बाहर जाने के आदेश जारी किये गए है।

श्री मारू प्रजापति समाज का सामूहिक विवाह फुलेरा दूज को

इन्दौर।फुलेरा दूज 1मार्च को सामूहिक विवाह का आयोजन पश्चिम क्षेत्र के वीआईपी रोड स्थित दलाल बाग किया जा रहा, पंडाल और वंदनवार की सजावट शुरु हो चुकी है इस विशाल भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव होंगे।

श्री मारु प्रजापति समाज सामूहिक विवाह एंव उत्कर्ष संगठन के तत्वाधान होने वाले इस आयोजन के संयोजक प्रेम मंगरोला,अध्यक्ष सत्यनारायण सियोटा सचिव निरंजन नागा एंव धर्मेद्र गेंदर ने बताया कि दलाल बाग में समाज द्वारा होने वाले इस सामूहिक विवाह में प्रदेश सहित अन्य प्रदेश से आए समाजजनों के परिवार के 27 नवयुगल जोड़ों के इस आयोजन में करीब 5000 हजार समाजसेवियों का आगमन होगा।

इस सामूहिक विवाह आयोजन के मुख्य अतिथि होंगे मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव अध्यक्षता करेंगे कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सामाजिक इकाइयों के प्रदेश के अध्यक्ष भंवरलाल मॉंधनिया,पुनाराम पोटर,हीरालाल प्रजापति।

मारु प्रजापति समाज सामूहिक विवाह आयोजन समिति के लोकेश सुवटा,राधेश्याम जलांद्रा ने बताया कि 1 मार्च शनिवार फुलेरा दूज के अवसर पर किला मैदान स्थित झांसी की रानी प्रतिमा स्थल के पास हनुमान मंदिर से पूजा अर्चना के प्रातः 7 बजे 27 जोड़े (दूल्हा दुल्हन) का भव्य सुसज्जित घोड़े बग्गियों में चल समारोह निकलेगा,चल समारोह में आगे उज्जैन कड़बीन के धमाके की ध्वनि द्वारा रहवासियों को चल समारोह के आने की सूचना दी जा रही है। चल समारोह में 200 कलाकारों की बैंड पार्टी रहेगी एवं इस अनेक धर्म स्थलों के संतगण साथ चलेंगे साथ ही बड़नगर,मंदसौर के ढोल पार्टी रहेगी। चल समारोह का अनेक समाजसेवी संस्थाओं द्वारा मंच लगाकर स्वागत किया जाएगा।

यह चल समारोह विभिन्न मार्गो से वीआईपी रोड स्थित दलाल बाग में पहुंचेगा जहां तोरण पश्चात समाजजन के प्रबुद्ध जनों द्वारा दूल्हा दुल्हन सहित बारातियों का स्वागत किया जाएगा।

सामूहिक विवाह आयोजन समिति के बद्रीछापरवाल,रमेश मामोडीया व चेतन सालडीवाल ने बताया कि दुल्हा दुल्हन की शहर के विद्वान् पंडितों द्वारा मंत्रों उच्चारणों के साथ 8=30 बजे वरमाला करवाई जाएगी एंव 9 बजे फेरे होंगे व 9=30 बजे समाज के प्रबुद्धजनों (नींव के पत्थर) का सम्मान किया जाएगा।

मारु प्रजापति समाज उत्कर्ष संगठन के राममोहन सोकल, दिपक नाराणिया ने बताया कि सामूहिक विवाह में शामिल 27 नवयुगल जोड़ों को समाज के द्वारा ज्वैलरी सहित गृहस्थी का सामना भेट किया प्रदान किया जाएगा तथा इस में बड़ी संख्या में मध्य प्रदेश सहित अन्य के प्रजापति समाज जन उपस्थित रह कर शोभा बढ़ाएंगे।

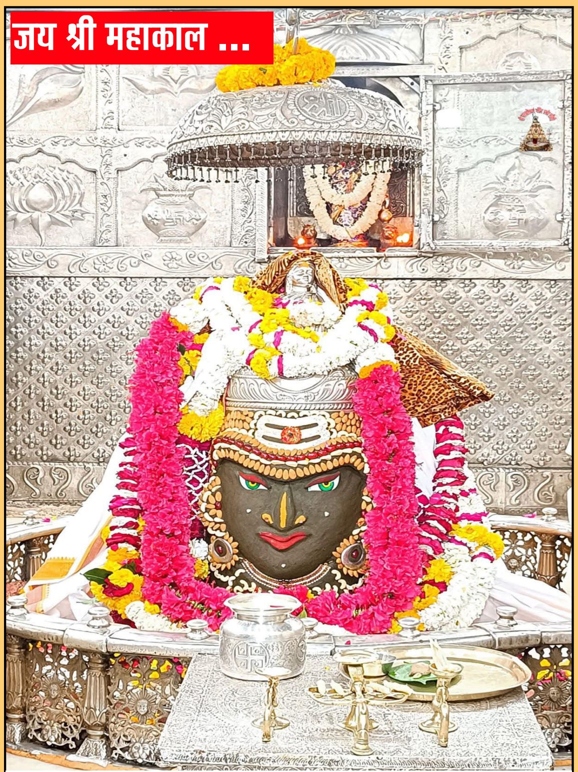

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

वास्तु का आध्यात्मिक स्वरूप है शिव-प्रीतम मुनि जी

उज्जैन। शरीर से वास्तु का एक गहरा संबंध है। हमारे मन-मस्तिष्क को संचालित करता है। वास्तु का आध्यात्मिक स्वरूप शिव है। यह बात विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत शैव परम्परा एवं वास्तुविज्ञान विषय पर आधारित दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के समापन अवसर पर लकुलीश सम्प्रदाय के आचार्य स्वामी प्रीतम मुनि जी ने कही। इस मौके पर पाणिनि संस्कृतत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय कुमार सीजी ने कहा कि वास्तुशास्त्र एवं वास्तु के छात्र इस विधा को आगे बढ़ाने एवं इसके व्यापारीकरण को रोकने में सहायक बनें। उन्होंने वास्तु के मूल ग्रंथों के अध्ययन हेतु प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. दिलीप सोनी सहित अन्य अध्यापकगण, विविध राज्यों से उपस्थित छात्र एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अविनाश मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. उपेन्द्र भार्गव ने दिया।

इससे पूर्व संगोष्ठी के द्वितीय दिवस में तीन शोध सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें कविकुलगुरु कालिदास विश्वविद्यालय, नागपुर के आचार्य प्रो. प्रसाद गोखले ने भारतीय वास्तुशास्त्र में शैव परम्पराओं और उनके साथ विकसित हुई विविध शैलियों का विस्तार से वर्णन किया।

इन शोधसत्रों में दरभंगा विश्वविद्यालय से पधारे डॉ. अवधेश श्रोत्रिय, दिल्ली संस्कृत विश्वविद्यालय से डॉ. नवीन पाण्डेय, डॉ. राजेन्द्र गुप्त, डॉ. पूजा उपाध्याय आदि विषय विशेषज्ञों ने अपने मत को सन्दर्भ सहित प्रस्तुत किया। सत्र का संचालक डॉ. मृत्युंजय तिवारी ने किया। संगो?ष्ठी में विनया बोधनकर, दर्शना शर्मा, नीलेश क्षीरसागर, राजेश तिवारी, विवेक गर्ग आदि ने वास्तु सम्बन्धी शोधपत्रों का वाचन किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विक्रम विश्वविद्यालय की फोरेंसिक साइंस अध्ययनशाला में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

भू.विज्ञान और फोरेंसिक साइंस अध्ययनशाला के विद्यार्थियों ने की सहभागिता

उज्जैन। सर सी.वी. रमन के भौतिक विज्ञान विषय में रमन प्रभाव को लेकर भारत सरकार द्वारा घोषित हर वर्ष 28 फरवरी को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय की फोरेंसिक साइंस एवं भू.विज्ञान अध्ययनशाला के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

यह प्रतियोगिता विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व में भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने की थीम पर आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में भूविज्ञान एवं फॉरेंसिक साइंस विभाग के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर भू-विज्ञान अध्ययनशाला के विभाग अध्यक्ष डॉ.पी. एन. तिवारी एवं फॉरेंसिक साइंस अध्ययनशाला के डॉ. गणपत अहिरवार ने प्रतियोगिता में सम्मिलित समस्त प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ. सी.वी रमन के विज्ञान विषय में दिए गए अमूल्य योगदान एवं उनके अथक प्रयासों से भौतिक विज्ञान विषय में की गई महत्वपूर्ण शोध पर प्रकाश डाला गया। प्रतियोगिता की संयोजक सुश्री पूजा चैधरी एवं शालिनी सोलंकी रही। इस अवसर पर शिक्षक राकेश पंड्याए डॉ. मोहम्मद रिजवान डॉ. दयाराम सोलंकी डॉ रूपेश दुबेए सहित विभाग के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन श्रीमती

ढोलों की थाप पर हुई श्री सौभाग्येश्वर महादेव की महाआरती

उज्जैन। पुराने चिमनगंज थाने के समीप स्थित श्री सौभाग्येश्वर महादेव मंदिर पर महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में ढोलों की थाप, घंटों के नाद के बीच महाआरती सम्पन्न हुई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर महादेव के जयकारों के बीच करतल ध्वनि से वातावरण को शिवमय कर दिया। पुजारी पं.अशोक जोशी के अनुसार भगवान श्री सौभाग्येश्वर महादेव का महाशिवरात्रि के पुनीत अवसर पर भांग, सूखे मेवे से आकर्षक श्रृंगार किया गया।

मंदिर को रंग बिरंगे पुष्पों से सुसज्जित कर भगवान शिव, माता पार्वती के विवाह उत्सव को धूमधाम से मनाया गया। महाआरती में 21 किलो संतरे, मिष्ठान्न का भोग लगाकर महाआरती उपरांत फल प्रसादी, मिष्ठान्न का वितरण किया गया।

इस अवसर पर अशोक शर्मा, अभिषेक शर्मा, अक्षय शर्मा, सुनील कांकरिया, विकास दुबे, रमा शर्मा, सुमन कांकरिया, शीतल राठौर, गिरिजा दुबे सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे सम्मिलित हुए।

देव संजीवन सामाजिक कल्याण समिति ने लिया एक दिवसीय जिला स्तयरीय प्रशिक्षण

उज्जैन। दिनांक 27/02/2025 को कृषि विस्तार केन्द्र, कोठी रोड़, उज्जैन पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा समृद्धि योजना अंतर्गत स्वैच्छिक संगठनों का एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यशाला में गुरुकुल शिक्षा वेद पद्धति चिकित्सा के लिए समर्पित भाव से राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत देव संजीवन सामाजिक कल्याण समिति, उज्जैन के निदेशक श्री कुलदीप राजपुरोहित ने भी प्रशिक्षण लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रशिक्षण के पश्चात सभी स्वैच्छिक संगठन के पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयुक्त संचालक योजना,आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के श्री पी एस मालवीय, नगर संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय एव दिव्यांग जन सशक्तिकरण श्री सतीश सोलंकी एवं श्री प्रेमसिंह चौहान प्र. जिला समन्वक के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

प्रशिक्षण शिविर में असिस्टेंट प्रोफेसर विक्रम विश्वविद्यालय उत्तम मीणा, असिस्टेंट प्रोफेसर विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के मनु गोराहा, जन अभियान परिषद, उज्जैन के संभाग समन्यक शिवप्रसाद मालवीय एवं उज्जैन संभाग प्रभारी अभिताभ श्रीवास्तव ने अपने अपने विषय अंतर्गत स्वैच्छिक संगठनों के पदाधिकारियों को जानकारी प्रेषित की। समापन सत्र में परम पूज्य स्वाामी असंगानंदजी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि सामाजिक कार्य में समाज उत्था?न के लिए हमे धार्मिक आध्यात्मिकता के भाव से कार्य करना चाहिए। सामाजिक बुराईयों को खत्म करने के लिए पवित्र उद्देश्य से किया गया कार्य ईश्वरीय रूप में परिलक्षित होता है । कार्यक्रम में विकासखंड समन्व्यक श्री अरूण व्यास, श्री संदीप मालवीय, श्री इंद्रेशसिंह पंवार, श्रीमती रेणुका श्रोत्रिय, श्रीमती नम्रता तिवारी, श्री विपिन धाकड, श्रीमती माया उपाध्याय, जयपाल पंवार एवं स्वैमच्छिक संगठन के प्रतिनिधी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री मोहनसिंह परिहार विकासखंड समन्वयक द्वारा किया गया एवं आभार संदीप मालवीय विकासखंड समन्वय ने माना ।

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

घोषणा

फार्म - 4 (नियम -8)

1. प्रकाशन स्थल	:	उज्जैन
2. प्रकाशन अवधि	:	दैनिक
3. मुद्रक का नाम	:	श्रीमती सीमा वशिष्ठ
भारत का नागरिक है	:	हां
पता	:	124, महाश्वेता नगर उज्जैन (म.प्र.)
4. प्रकाशक का नाम		श्रीमती सीमा वशिष्ठ
भारत का नागरिक है	:	हां
पता	:	124, महाश्वेता नगर उज्जैन (म.प्र.)
5. संपादक का नाम	:	श्रीमती सीमा वशिष्ठ
भारत का नागरिक है	:	हां
पता	:	124, महाश्वेता नगर उज्जैन (म.प्र.)
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हो	:	हिन्दकुश मीडिया

मैं श्रीमती सीमा वशिष्ठ एतद द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गये विवरण सत्य है।

हस्ताक्षर
श्रीमती सीमा वशिष्ठ
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com